

बाँकना स.क्रि. (देश.) टेढ़ा करना अ.क्रि. टेढ़ा होना।

बाँकपन पुं. (देश.) बाँकपना, टेढ़ापन, तिरछापन, छैलापन, अलबेलापन, छबीलापन स्त्री. छवि, शोभा, रचना, रूप की अनुपम सुंदरता, बाँका होने की अवस्था या भाव दे. बाँका।

बाँका वि. (तद्.) 1. बंक, सुंदर और बना-ठना, छैला, छैल-छबीला, वक्र, टेढ़ा, तिरछा, वक्रतापूर्ण 2. अनुपम मधुरता और सौंदर्य वाला, रूप, वेश अलंकार, गति आदि के अनुपम सौंदर्य वाला 3. वीर, साहसी, हथियार रखने वाला 4. विषम, दुर्गम, क्रूर, कठोर।

बाँकुरा वि. (देश.) वक्र, बाँकुर, बाँका, टेढ़ा बहादुर, वीर, पैना, पतली धार का, होशियार, कुशल, चतुर।

बाँग स्त्री. (फा.) 1. ध्वनि, आवाज, पुकार, चिल्लाहट, प्रातः काल मुर्गे की ऊँची आवाज 2. (मुसलमानों की) नमाज़ पढ़ने के उद्देश्य से पुकारने के लिए मस्जिद से की जाने वाली ऊँची आवाज, अज़ान।

बाँगड़ पुं. (देश.) हरियाणा में हिसार, रोहतक, करनाल आदि का क्षेत्र, बाँगर, इन क्षेत्रों का निवासी स्त्री. (देश.) उपर्युक्त क्षेत्रों की बोली, हरियाणवी या हरियानी, जाटू।

बाँगड़ स्त्री. (देश.) बाँगड़ क्षेत्र की बोली वि. (देश.) असभ्य, गँवार, मूर्ख, उजड़।

बाँगर पुं. (देश.) 1. ऊँची भूमि जो आस-पास की नदी आदि की बाढ़ में न डूबती हो, चारागाह, खाद, बाँगड़ा 2. बैल, छकड़ा गाड़ी का लंबा बाँस 3. अवध में पाए जाने वाले एक प्रकार के बैल।

बाँगुर पुं. (तद्.) 1. पशु-पक्षियों को फँसाने का पाश, बंधन, जाल, फंदा 2. एक प्रकार की मछली 3. फँसने, फँसाने का स्थान।

बाँचना अ.क्रि. (देश.) 1. बाकी रहना, शेष रहना, बाकी बचना, संकट आदि से बचना, बचाना, बुझाना, रक्षित होना स.क्रि. (तद्.) 2. वाचन, पाठ करना, पढ़ना।

बाँछना स्त्री. (तद्.) वाँछना, बाँछा, इच्छा, चाहना, आकांक्षा स.क्रि. चुनना, छाँटना, चाहना, कामना करना।

बाँट स्त्री. (देश.) बाँटने की क्रिया या भाव, भाग, हिस्सा, अंश।

बाँड़ा वि. (देश.) बड़ा, बिना पूँछ का, दुमकटा, असहाय, दीन।

बाँद पुं. (फा.) सेवक, दास, बंदा।

बाँदा पुं. (तद्.) एक प्रकार का वनस्पति वर्ग जो अन्य वृक्षों की शाखाओं पर उगकर पुष्ट होती है तथा रस चूसकर फैलता है।

बाँदी स्त्री. (फा.) 1. लौंडी, दासी 2. परम अधीन, अत्यंत आज्ञाकारी, तुच्छ, हीन 3. वर्णसंकर, दोगला

बाँध पुं. (देश.) 1. नदी या जलाशय आदि के किनारे बना पुश्ता, मिट्टी, पत्थर आदि का बना धुस्सा, बंद, रोक 2. बाँधने की क्रिया या भाव, शोभा तथा दिखावे आदि के लिए ऊपर से बाँधी हुई चीज़।

बाँधना स.क्रि. (तद्.) 1. कसने या जकड़ने के लिए घेरकर रोकना 2. रस्सी या कपड़े आदि में लपेटकर उसमें गाँठ लगाना 3. पकड़ कर बंद या कैद करना 4. नियम, अधिकार, प्रतिज्ञा शपथ, निश्चय, आदि द्वारा किसी सीमा में रखना 5. मुकर्रर करना विचारपूर्वक स्थिर करना या मर्यादित करना 6. पाबंद करना 7. मंत्र-तंत्र आदि की सहायता से किसी गति, शक्ति या काम को रोकना 8. प्रेमपाश में बद्ध करना, मुकर्रर क्रम, व्यवस्था आदि ठीक, या नियत करना 9. नदी या जलाशय का पानी रोकने के लिए बाँध बनाना 10. चूर्ण आदि को पिंड के रूप में लाना जैसे- लड्डू बाँधना मकान या लिंटर बनाना 11. बैठाना, बंदिश करना 12. मजमून बाँधना 13. किसी उपक्रम, विषय या वर्णन की योजना बनाना 14. मन्सूबा का बाँधना 15. अस्त्र-शस्त्र आदि धारण करना 16. मन में बैठाना 17. स्थिर करना।